DSSSB PRT, TGT & PGT

Part(A+B)

SCHOLAR BATCH

हिन्दी

वचन

LIVE 18-04-2024 09:00 AM

[संख्या] वचन (कहना)

- एकवचन
- बहुवचन

परिभाषा ⇒ वचन का अभिप्राय संख्या से है। वचन का अर्थ कहना भी होता है।

"संज्ञा अथवा सर्वनाम के जिस रूप से एक या एक से अधिक का बोध होता है। उसे वचन कहते है।"

हिन्दी में केवल दो वचन होते है-

एकवचन ⇒ शब्द के जिस रूप से एक वस्तु, पदार्थ या व्यक्ति का बोध होता है उसे एकवचन कहते हैं।

जैसे- मेज, पुस्तक, कलम, कुर्सी, घोड़ा, लड़का

नोट- कुछ शब्द सदैव एकवचन में प्रयोग होते है-

माल, जनता, सामान, सोना, चाँदी, लोहा, तांबा, पीतल, दूध, दही, घी तेल, मक्खन, पेट्रोल, प्रत्येक, हवा, आग, स्टील, पानी, क्षमा, क्रोध प्रेम, झूठ, सत्य, सामग्री (एकवचन में प्रयुक्त शब्द)

(2)- बहुवचन => शब्द के जिस रूप से एक से अधिक वस्तु या पदार्थ का बोध होता है। उसे बहुवचन कहते है।

जैसे- पुस्तकें, मेजें, कुर्सियाँ, बन्दूकें

नोट- कुछ शब्द सदैव बहुवचन में प्रयोग होते है।

होश	हस्ताक्षर
आंसू	बाल
दाम	होठ
दर्शन	समाचार
अक्षत	आशीर्वाद
नेत्र	रोम
प्राण	

* इकारान्त = जिन शब्दों के अन्त में 'इ' आये
  ↳ जाति, रति, रीति, गति
* ईकारान्त = जिन शब्दों के अन्त में 'ई' आये
  ↳ लड़की, नदी, रानी, स्त्री, नारी
* अकारान्त = जिन शब्दों के अन्त में 'अ' आये
  ↳ बात, लेखक, पुस्तक, मेज, नहर
* आकारान्त = जिन शब्दों के अन्त में 'आ' आये
  ↳ लड़का, माता, छाता, घोड़ा
* उकारान्त = जिन शब्दों के अन्त में 'उ' आये
  ↳ साधु, भानु, लघु, मधु
* ऊकारान्त = जिन शब्दों के अन्त में 'ऊ' आये
  ↳ उल्लू, भालू, आलू

* एकवचन से बहुवचन बनाने के लिए प्रयुक्त प्रत्यय ①

(i)- आकारान्त पुल्लिंग शब्दों के अन्त में 'आ' के स्थान पर 'ए' करने से बना बहुवचन

लड़का - लड़के (ए)

घोड़ा - घोड़े

गधा - गधे

बेटा - बेटे

* स्त्रीलिंग शब्दों के अन्त में 'अ' के स्थान पर 'एं' कर देने से बहुवचन

पुस्तक - पुस्तकें
बात - बातें
सड़क - सड़कें
बोतल - बोतलें
नहर - नहरें

* स्त्रीलिंग शब्दों के अन्त में 'या' के स्थान पर 'याँ' कर देने से बहुवचन

कुटिया - कुटियाँ
लुटिया - लुटियाँ
चिड़िया - चिड़ियाँ
डलिया - डलियाँ

* कभी-कभी संज्ञा के पुल्लिंग या स्त्रीलिंग रूपों में गण, वृन्द, दल, लोग वर्ग इत्यादि शब्दों को जोड़कर बहुवचन बनाते हैं।

वर्ग - कर्मचारी वर्ग, शिक्षित वर्ग, पक्षीवर्ग, अधिकारी वर्ग

वृन्द - नारीवृन्द, मुनिवृन्द, शिशुवृन्द

गण - लेखकगण, अध्यापकगण, कृषकगण, छात्रगण, शिक्षकगण, मित्रगण

लोग - अमीर लोग, गरीबलोग, नेता लोग

दल - राजनैतिक दल, बजरंगदल

जन - युवाजन, भक्तजन, गुरुजन

कुछ शब्द सदैव एकवचन में वाक्य प्रयोग करके आते हैं-

माल - माल लूट गया।

जनता - जनता भूल गई।

सामग्री - हवन सामग्री जल गई।

सामान - सामान खो गया।

कुछ शब्द सदैव बहुवचन में वाक्य प्रयोग करके आते हैं-

प्राण - मेरे प्राण छटपटाने लगे।

दर्शन - मैंने आपके दर्शन कर लिए।

आंसू - आँखों से आंसू निकल पड़े।

बाल - मैंने बाल कटा दिए।

हस्ताक्षर - मैंने कागज पर हस्ताक्षर कर दिये।

* आदर / सम्मान सूचक आदरणीय व्यक्ति के लिए सदैव बहुवचन का प्रयोग होता है।

उदा॰ साधु आ रहे हैं।

पिताजी जा रहे हैं।

गोस्वामी तुलसीदास राम भक्त थे।